



?????

19 Mar 2004

12:35 AM

Pune

Model: web-freekundliweb

Order No: 121471603

लिंग \_\_\_\_\_: पुल्लिंग  
जन्म तिथि \_\_\_\_\_: 18-19/03/2004  
दिन \_\_\_\_\_: गुरु-शुक्रवार  
जन्म समय \_\_\_\_\_: 00:35:00 घंटे  
इष्ट \_\_\_\_\_: 44:47:16 घटी  
स्थान \_\_\_\_\_: Pune  
राज्य \_\_\_\_\_: Maharashtra  
देश \_\_\_\_\_: India

अक्षांश \_\_\_\_\_: 18:34:00 उत्तर  
रेखांश \_\_\_\_\_: 73:58:00 पूर्व  
मध्य रेखांश \_\_\_\_\_: 82:30:00 पूर्व  
स्थानिक संस्कार \_\_\_\_\_: -00:34:08 घंटे  
ग्रीष्म संस्कार \_\_\_\_\_: 00:00:00 घंटे  
स्थानिक समय \_\_\_\_\_: 00:00:52 घंटे  
वेलान्तर \_\_\_\_\_: -00:08:00 घंटे  
साम्पातिक काल \_\_\_\_\_: 11:47:34 घंटे  
सूर्योदय \_\_\_\_\_: 06:40:05 घंटे  
सूर्यास्त \_\_\_\_\_: 18:44:29 घंटे  
दिनमान \_\_\_\_\_: 12:04:23 घंटे  
सूर्य स्थिति(अयन) \_\_\_\_\_: उत्तरायण  
सूर्य स्थिति(गोल) \_\_\_\_\_: दक्षिण  
ऋतु \_\_\_\_\_: वसन्त  
सूर्य के अंश \_\_\_\_\_: 04:36:26 मीन  
लग्न के अंश \_\_\_\_\_: 25:40:51 वृश्चिक

#### अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति \_\_\_\_\_: वृश्चिक - मंगल  
राशि-स्वामी \_\_\_\_\_: कुम्भ - शनि  
नक्षत्र-चरण \_\_\_\_\_: शतभिषा - 1  
नक्षत्र स्वामी \_\_\_\_\_: राहु  
योग \_\_\_\_\_: साध्य  
करण \_\_\_\_\_: वणिज  
गण \_\_\_\_\_: राक्षस  
योनि \_\_\_\_\_: अश्व  
नाड़ी \_\_\_\_\_: आद्य  
वर्ण \_\_\_\_\_: शूद्र  
वश्य \_\_\_\_\_: मानव  
वर्ग \_\_\_\_\_: मार्जार  
युँजा \_\_\_\_\_: अन्त्य  
हंसक \_\_\_\_\_: वायु  
जन्म नामाक्षर \_\_\_\_\_: गो-गोपाल  
पाया(राशि-नक्षत्र) \_\_\_\_\_: लौह - ताम्र  
सूर्य राशि(पाश्चात्य) \_\_\_\_\_: मीन

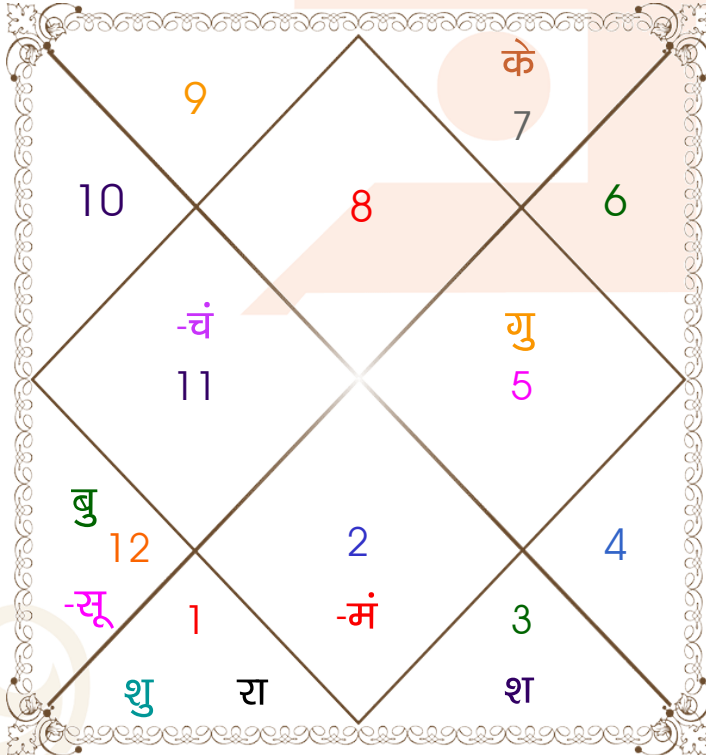
## ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

| ग्रह    | व | अ | राशि   | अंश      | गति       | नक्षत्र     | पद | नं. | रा    | न     | अं.   | स्थिति     |
|---------|---|---|--------|----------|-----------|-------------|----|-----|-------|-------|-------|------------|
| लग्न    |   |   | वृश्चि | 25:40:51 | 323:57:03 | ज्येष्ठा    | 3  | 18  | मंगल  | बुध   | राहु  | ---        |
| सूर्य   |   |   | मीन    | 04:36:26 | 00:59:41  | उ०भाद्रपद   | 1  | 26  | गुरु  | शनि   | शनि   | मित्र राशि |
| चंद्र   |   |   | कुंभ   | 08:09:12 | 13:33:16  | शतभिषा      | 1  | 24  | शनि   | राहु  | राहु  | सम राशि    |
| मंगल    |   |   | वृष    | 04:28:12 | 00:38:27  | कृतिका      | 3  | 3   | शुक्र | सूर्य | शनि   | सम राशि    |
| बुध     |   |   | मीन    | 18:19:03 | 01:49:32  | रेवती       | 1  | 27  | गुरु  | बुध   | बुध   | नीच राशि   |
| गुरु    | व |   | सिंह   | 18:11:26 | 00:07:16  | पू०फाल्गुनी | 2  | 11  | सूर्य | शुक्र | राहु  | मित्र राशि |
| शुक्र   |   |   | मेष    | 20:12:34 | 01:03:10  | भरणी        | 3  | 2   | मंगल  | शुक्र | गुरु  | सम राशि    |
| शनि     |   |   | मिथु   | 12:29:18 | 00:01:14  | आर्द्रा     | 2  | 6   | बुध   | राहु  | शनि   | मित्र राशि |
| राहु    | व |   | मेष    | 18:08:05 | 00:07:54  | भरणी        | 2  | 2   | मंगल  | शुक्र | राहु  | शत्रु राशि |
| केतु    | व |   | तुला   | 18:08:05 | 00:07:54  | स्वाति      | 4  | 15  | शुक्र | राहु  | चंद्र | सम राशि    |
| हर्ष    |   |   | कुंभ   | 10:19:12 | 00:03:13  | शतभिषा      | 2  | 24  | शनि   | राहु  | गुरु  | ---        |
| नेप     |   |   | मक     | 20:32:53 | 00:01:46  | श्रवण       | 4  | 22  | शनि   | चंद्र | शुक्र | ---        |
| प्लूटो  |   |   | वृश्चि | 28:19:28 | 00:00:12  | ज्येष्ठा    | 4  | 18  | मंगल  | बुध   | शनि   | ---        |
| दशम भाव |   |   | कन्या  | 02:41:58 | --        | उ०फाल्गुनी  | -- | 12  | बुध   | सूर्य | गुरु  | --         |

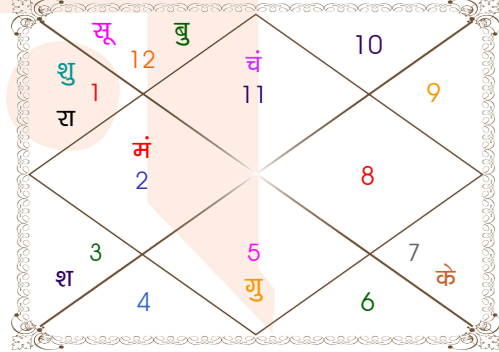
व - वकी स - स्थिर  
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त  
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:54:46

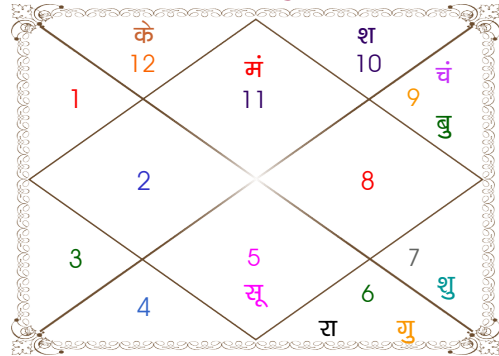
### लग्न-चलित



### चन्द्र कुंडली



### नवमांश कुंडली



## विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 15 वर्ष 11 मास 27 दिन

| राहु 18 वर्ष<br>19/03/2004<br>16/03/2020 | गुरु 16 वर्ष<br>16/03/2020<br>16/03/2036 | शनि 19 वर्ष<br>16/03/2036<br>17/03/2055 | बुध 17 वर्ष<br>17/03/2055<br>16/03/2072 | केतु 7 वर्ष<br>16/03/2072<br>17/03/2079 |
|--|--|---|---|---|
| राहु 27/11/2004                          | गुरु 04/05/2022                          | शनि 20/03/2039                          | बुध 12/08/2057                          | केतु 12/08/2072                         |
| गुरु 22/04/2007                          | शनि 15/11/2024                           | बुध 27/11/2041                          | केतु 10/08/2058                         | शुक्र 12/10/2073                        |
| शनि 26/02/2010                           | बुध 20/02/2027                           | केतु 06/01/2043                         | शुक्र 10/06/2061                        | सूर्य 17/02/2074                        |
| बुध 15/09/2012                           | केतु 27/01/2028                          | शुक्र 07/03/2046                        | सूर्य 16/04/2062                        | चंद्र 18/09/2074                        |
| केतु 03/10/2013                          | शुक्र 27/09/2030                         | सूर्य 17/02/2047                        | चंद्र 15/09/2063                        | मंगल 14/02/2075                         |
| शुक्र 03/10/2016                         | सूर्य 17/07/2031                         | चंद्र 18/09/2048                        | मंगल 12/09/2064                         | राहु 04/03/2076                         |
| सूर्य 28/08/2017                         | चंद्र 15/11/2032                         | मंगल 28/10/2049                         | राहु 01/04/2067                         | गुरु 08/02/2077                         |
| चंद्र 27/02/2019                         | मंगल 21/10/2033                          | राहु 02/09/2052                         | गुरु 07/07/2069                         | शनि 20/03/2078                          |
| मंगल 16/03/2020                          | राहु 16/03/2036                          | गुरु 17/03/2055                         | शनि 16/03/2072                          | बुध 17/03/2079                          |

| शुक्र 20 वर्ष<br>17/03/2079<br>17/03/2099 | सूर्य 6 वर्ष<br>17/03/2099<br>17/03/2105 | चंद्र 10 वर्ष<br>17/03/2105<br>18/03/2115 | मंगल 7 वर्ष<br>18/03/2115<br>18/03/2122 | राहु 18 वर्ष<br>18/03/2122<br>00/00/0000 |
|---|--|---|---|--|
| शुक्र 16/07/2082                          | सूर्य 04/07/2099                         | चंद्र 16/01/2106                          | मंगल 14/08/2115                         | राहु 20/03/2124                          |
| सूर्य 17/07/2083                          | चंद्र 03/01/2100                         | मंगल 17/08/2106                           | राहु 31/08/2116                         | 00/00/0000                               |
| चंद्र 16/03/2085                          | मंगल 11/05/2100                          | राहु 16/02/2108                           | गुरु 07/08/2117                         | 00/00/0000                               |
| मंगल 16/05/2086                           | राहु 05/04/2101                          | गुरु 17/06/2109                           | शनि 16/09/2118                          | 00/00/0000                               |
| राहु 16/05/2089                           | गुरु 22/01/2102                          | शनि 16/01/2111                            | बुध 13/09/2119                          | 00/00/0000                               |
| गुरु 15/01/2092                           | शनि 04/01/2103                           | बुध 16/06/2112                            | केतु 10/02/2120                         | 00/00/0000                               |
| शनि 17/03/2095                            | बुध 10/11/2103                           | केतु 15/01/2113                           | शुक्र 11/04/2121                        | 00/00/0000                               |
| बुध 15/01/2098                            | केतु 17/03/2104                          | शुक्र 16/09/2114                          | सूर्य 16/08/2121                        | 00/00/0000                               |
| केतु 17/03/2099                           | शुक्र 17/03/2105                         | सूर्य 18/03/2115                          | चंद्र 18/03/2122                        | 00/00/0000                               |

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 16 वर्ष 0 मा 3 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

## लग्न फल

आपका जन्म ज्येष्ठा नक्षत्र के तृतीय चरण में हुआ था। आपके जन्मकाल पूर्वीय क्षितिज पर वृश्चिक लग्न के साथ-साथ कुंभ राशि का नवमांश एवं कर्क राशि का द्रेष्काण भी उदित था। प्रस्तुत लग्नादिक प्रभाव आपके जीवन की सजीवता का चित्रण करता है। आप मन्द चरित्र के प्राणी हैं। आपकी व्यथित परिस्थिति जन सामान्य की दृष्टि में आपके रहस्यमय महत्वकांक्षा को विपरीत परिवेश में प्रस्तुत किया।

आप में धर्म का अल्प ज्ञान है। फिर भी आप एक धर्म प्रचारक के रूप में प्रायः सबों पर धार्मिक प्रभाव डालते हैं। वस्तुतः सत्य तो यह है कि आपके दृष्टिकोण से धार्मिक विचारधारा बहुतायत में प्राप्त करना। यह संप्रति स्वरूप है। अच्छी धार्मिक विचारधारा दुषित पदति को निश्चित रूप से स्वच्छ कर देता है।

आप अद्भ्य उत्साह से युक्त होकर अपने लक्ष्य की प्राप्ति हेतु समर्पित हैं तथा स्वतंत्र विचार से भक्ति उपासना की समतुल्यता हेतु स्थिर चित्त से विजयोल्लासित हैं। वास्तव में आप मुसीबतों से संघर्ष करने में आनन्द प्राप्त करते हैं। जिस प्रकार कठिन संघर्ष एवं युद्ध में विजय श्री का आनंद मधुर फलदायी होता है।

समाज में आपकी छवि चतुरता पूर्ण ढंग से अच्छी प्रकार एवं सावधानी पूर्वक अपना कार्य व्यवसाय संचालित करने वाले की श्रेणी में हैं। आपमें दृढ़ कार्य क्षमता के गुण विद्यमान है। परंतु द्वितीय कर्मस्थल पर एवं पत्नी की समस्या का समाधान विशालकाय प्रतीत होता है। आप अपने घर परिवार को प्रसन्नता पूर्वक विकसित करने के इच्छुक हैं। अतएव आप अपनी प्रेमिका को प्रसन्न रखने के बिंदु पर प्रयत्नशील रहते हो। परंतु आप अपनी पत्नी को किसी भी प्रकार के पश्चाताप का अवसर नहीं देना चाहते हैं। आपका कुछ समय इसी चिंतन में व्यतीत हो जाता है। इस कारणवश आपको पूर्व सूचित किया जाता है कि आप यौन रोग से प्रभावित हो सकते हैं। अतएव गुप्तरूप से वासनात्मक अर्थात् संभोगात्मक रोगादि से रक्षित रहें।

आप अपने स्वास्थ्य की रक्षा के प्रति उचित स्रोत अपनाएं अन्यथा आप अर्श रोग तथा ट्यूमर रोग से जीवन के 13 वें वर्ष 27 वें, 31 वें एवं 49 वें वर्षादि में दुःखी हो सकते हैं। उत्तम तो यह है कि समय-समय पर स्वास्थ्य परीक्षण कराते रहें।

आप सामान्यतः अपने कार्य व्यवसाय को अन्यो के साथ करना अस्वीकार्य करते हैं। परंतु यदि कोई आपको उत्तेजित कर दें तो आप बिच्छू के समान ढंक मार कर वृश्चिक राशीय गुणों को चरितार्थ कर सकते हैं। इसलिए आपको अपनी उत्तेजनात्मक प्रवृत्ति के प्रति सीमित रहना चाहिए।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में कार्य व्यवसाय संपादन हेतु अनुकूल दिन रविवार, सोमवार, मंगलवार एवं गुरुवार का दिन उत्तम है। परंतु बुधवार शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके लिए अनुकूल नहीं है।

आपके लिए अंकों में अनुकूल अंक 1, 2, 3, 4 एवं 9 अंक है। परंतु आपके लिए

अंक 5, 6 एवं 8 अंक प्रतिकूल है।

आपकी महत्वाकांक्षा एवं अनुकूलता हेतु रंग लाल, नारंगी, पीला एवं क्रीम रंग है।  
परंतु रंग हरा, नीला एवं सफेद रंग आपके हित प्रतिकूल है।

